Seat No. _____

HAK-19070101030900

B. R. S. (Sem. III) (CBCS)

(WEF-2019) Examination

May - 2023

Hindi : Core - 305

(आधुनिक हिन्दी छायावादी काव्य)

(New Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours / Total Marks : **70**

सूचना : सूचनानुसार उत्तर दीजिए।

१ महादेवी वर्मा के जीवन–कवन पर प्रकाश डालिए। १५

अथवा

१ 'वह तोड़ती पत्थर' काव्य में व्यक्त कवि के विचारों को स्पष्ट कीजिए। १५

२ छायावाद की प्रमुख विशेषताओं की विस्तृत चर्चा कीजिए। १५

अथवा

२ 'पंत प्रकृति के चितेरे कवि हैं' – पठित रचनाओं के आधार पर सिद्ध कीजिए। १५

३ निम्नांकित में से किन्हीं तीन की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : १५

(१) ''प्रथम रश्मि का आना रंगिणि! तूने कैसे पहचाना?
कहाँ, कहाँ है बाल–विहंगिनि! पाया तूने वह गाना?''

(२) ''तीस कोहि संतान नग्न तन, अर्ध क्षुधित, शोषित, निरस्त्र जन,
मुढ़, असभ्य, अशिक्षित, निर्धन, नतमस्तक तरू तल निवासिनी।''

(३) ''मानव! ऐसी भी विरक्ति क्या जीवन के प्रति?
आत्मा का अपमान, प्रेत औ छाया से रति।''

(४) वह आता –
''दो टूक कलेजे के करता पछताता पथ पर आता।
पेट–पीठ दोनों मिलकर एक, चल रहा लकुटिया टेक।''

(५) ''सीमा ही लघुता का बन्धन
है अनादि तू मत घडिया गिन।''

४ 'ताज' काव्य में प्रकट कवि के आक्रोश को स्पष्ट कीजिए। १५

अथवा

४ 'भिक्षुक' काव्य में कवि ने भिक्षुक का यथार्थ वर्णन किया है – समझाइए। १५

५ हिमाद्री तुंग शृंग में व्यक्त राष्ट्रीय भावना। १०

अथवा

५ जयशंकर प्रसाद के साहित्य की विस्तृत चर्चा कीजिए। १०